BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... Date:.........................

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (27.03.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 27.03.2025, PAGE-06

28 को आवेदन की अंतिम तिथि

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू ने 28 मार्च को रमजान के अंतिम जुमे की छुट्टी दी है। बुधवार को विवि प्रशासन की तरफ से इसकी अधिसूचना जारी की गई। दिलचस्प बात यह है कि इस अधिसूचना से पहले स्नातक थर्ड सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरने की तारीख बढ़ाने की भी अधिसूचना जारी हुई। अधिसूचना के मुताबिक छात्र 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ 27 और 28 मार्च तक फार्म भर सकते हैं। बीआरएबीयू में कई छात्र अभी परीक्षा फार्म नहीं भर सके हैं।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 27.03.2025, PAGE-04

सरकार ने विवि को दिए एनपीए के 13 करोड़

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू को सरकार से एनपीए की 13 करोड़ की राशि मिली है। यह राशि शिक्षकों को दी जायेगी। इसको लेकर रजिस्ट्रार प्रो. संजय कुमार ने बुधवार को सभी प्राचार्यों के साथ बैठक की। रजिस्ट्रार ने बताया कि प्राचार्यों को निर्देश दिया गया कि वह उनके यहां शिक्षकों की जमा एनपीए की राशि विवि में जमा करा दें। कॉलेजों से राशि आने के बाद शिक्षकों को एनपीए की राशि दी जायेगी।

Ref:.................... **Date:.........................**

DAINIK JAGRAN,
MUZAFFARPUR
DAT:27.03.2025
PAGE-04

फिर बढ़ी फार्म भरने की तिथि

मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने एकबार फिर थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा के लिए फार्म भरने की तिथि विस्तारित कर दी है। 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ अभ्यर्थी गुरुवार और शुक्रवार को फार्म भर सकेंगे। इसको लेकर परीक्षा नियंत्रक डा. सुबालाल पासवान ने निर्देश जारी किया है। इसकी जानकारी सभी कालेजों के प्राचार्यों को दी गई है।(जासं)

एडमिट कार्ड होगा जारी

मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में स्नातक थर्ड सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा। परीक्षा विभाग की ओर से बताया गया है कि अब तक परीक्षा फार्म भर चुके छात्र-छात्राओं के लिए गुरुवार को एडमिट कार्ड जारी होगा। थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा तीन अप्रैल से शुरू हो रही है। इसके लिए पांच जिलों में 46 केंद्र बनेंगे।(जासं)

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 27.03.2025, PAGE-06

विश्वविद्यालय के प्रेस का रजिस्ट्रार ने किया निरीक्षण, छपेगी नोटशीट

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुरः बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में नोटशीट की कमी हो गई है। ऐसे में इसकी छपाई विश्वविद्यालय प्रेस से होगी। इसके साथ ही टीए- डीए बिल समेत अन्य कुछ जरूरी चीजों की छपाई विश्वविद्यालय प्रेस से होगी। बुधवार को रजिस्ट्रार प्रो. संजय कुमार ने विश्वविद्यालय प्रेस का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पहुंचकर आवश्यक छपाई की जानकारी मांगी। कर्मचारियों ने बताया कि वहां पेपर की कमी नहीं है। अगले कई वर्ष तक के लिए इस्तेमाल होने वाला पेपर वहां मौजूद है। मिट्टी तेल, डीजल, मोबिल समेत अन्य कुछ जरूरी सामानों के लिए तीन हजार रुपये तक खर्च के बाद छपाई शुरू हो जाएगी। कर्मचारियों ने बताया कि साफ- सफाई के बाद फिर से छपाई शुरू होगी। सबकुछ ठीक रहा तो शुक्रवार से छपाई शुरू हो सकती है। प्रेस में सात कर्मचारी हैं। फिलहाल उनके लिए कोई भी काम नहीं है। उन्होंने बताया कि पीजी विभागों में नामांकित विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी की छपाई की गई है। इसे बाइंडिंग कराने के बाद सभी पीजी विभागों को उपलब्ध कराया जाएगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 27.03.2025, PAGE-04

साफ्टवेयर से पकड़ में आ जाती है रिसर्च में की गई साहित्यिक चोरी

विश्वविद्यालय मनोविज्ञान विभाग में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

डीडीयू गोरखपुर की डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे ने रखे विचार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि रिसर्च में अगर शोधार्थी प्लेगरिज्म यानी साहित्यिक चोरी करते हैं तो साफ्टवेयर की सहायता से वह आसानी से पकड़ में आ जाता है। ऐसे कार्य ज्ञान की वृद्धि में सहायक नहीं होते हैं। साथ ही इससे नैतिक मूल्यों का क्षरण भी होता है। रिसर्च में एकेडमिक इंटिग्रिटी और प्रिंसिपल आफ जस्टिस का होना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर यूजीसी के नियमों के आलोक में सुपरवाइजर के साथ शोधार्थी को भी ब्लैक लिस्टेड किया जा सकता है। वे बुधवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी मनोविज्ञान विभाग में प्रोफेसर सोहन राज लक्ष्मी देवी तातेर जैन चेयर जोधपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में बोल रहे थे। विषय था - प्लेगरिज्म-फ्राम सिंपल चेक्स टू एआइ पावर टूल्स। उन्होंने यह भी बताया कि साहित्यिक चोरी एक नैतिक समस्या है जबकि कापीराइट का उल्लंघन कानूनी समस्या है।

दूसरे सत्र में डीडीयू गोरखपुर के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने साहित्यिक चोरी को पकड़ने के लिए एआइ की चर्चा की। उन्होंने कहा कि करीब 700 ऐसे टूल्स हैं। सभी एआइ टूल्स हमें समर्थ बनाते हैं कि हमारे रिसर्च कार्य में क्या सकारात्मक और क्या नकारात्मक है।

मनोविज्ञान विभाग में आयोजित सेमिनार में विचार रखते प्रो. रजनीश कुमार गुप्ता • जागरण

एआइ टूल्स रिसर्च कार्य की गति, आंकड़ा विश्लेषण और प्रबंधन में मुख्य भूमिका निभाते हैं। इससे पहले विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण किया। उन्होंने सेमिनार की सफलता के लिए कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया। पूर्व प्रो. रत्नेश मिश्रा ने विभाग में लगातार राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन पर सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम में एलएस कालेज के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार ने विचार रखे। विषय प्रवेश प्रो. आभा रानी ने किया। वहीं मंच संचालन डा. विकास कुमार ने किया। डॉ सुनीता कुमारी ने प्रोफेसर सोहन राज लक्ष्मी देवी तातेर जैन चेयर का परिचय प्रस्तुत किया। डा. तुलिका सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर सामाजिक विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर संगीता रानी, प्रो. अलका जायसवाल, विदिशा मिश्रा, डा. एपोली, डा. रेखा श्रीवास्तव, शिल्पी, शिवानी, शैलनी, कृष्णा, आनंद, सौरभ, गुंजा, चांदनी सम्मर, निधि आदि उपस्थित रहे।

प्लेगरिज्म चेक में एआइ लागू, पर स्पष्टता नहीं

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पिछले दिनों थीसिस में साहित्यिक चोरी की जांच (प्लेगरिज्म चेक) आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को शामिल करने का आदेश जारी किया गया है। इस पर अब तक विश्वविद्यालय और शोधार्थियों के बीच स्पष्टता नहीं है। इसको लेकर रिसर्च स्कालरों ने विशेषज्ञों से सवाल पूछा। कहा कि बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में थीसिस के प्लेगरिज्म चेक में एआइ के इस्तेमाल को और अधिक स्पष्ट करते हुए दिशानिर्देश तैयार करने की जरूरत है। वक्ताओं ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर में अभी प्लेगरिज्म चेक में एआइ का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। वहां भी अभी यूजीसी के रेगुलेशन 2018 का पालन किया जा रहा है। यूजीसी की ओर से प्लेगरिज्म में एआइ को लेकर कोई भी गाइडलाइन अब तक जारी नहीं किया गया है। ऐसे में पिछले दिनों बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के प्लेगरिज्म सेल की ओर से जारी निर्देश को स्पष्ट किए जाने की मांग हो रही है जिसके तहत प्लेगरिज्म चेक में एआइ के इस्तेमाल की बात कही गई थी।

विश्वविद्यालय को मिलेंगे अंग्रेजी के 38 शिक्षक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को अंग्रेजी के 38 सहायक प्राध्यापक मिलेंगे। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से नव चयनित सहायक प्राध्यापकों के लिए विश्वविद्यालय आवंटित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय को सूची प्राप्त होने के साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षकों की काउंसिलिंग के बाद उन्हें कालेजों में पदस्थापित किया जाएगा। काउंसिलिंग में शिक्षकों के शैक्षणिक समेत अन्य दस्तावेज की जांच होगी। इसके लिए गेस्ट हाउस में शिक्षकों के दस्तावेज की जांच होगी। पिछले दिनों विश्वविद्यालय को गणित, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र समेत अन्य विषयों में सहायक प्राध्यापक मिले हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के लिए अंग्रेजी विषय में चयनित सहायक प्राध्यापकों की लिस्ट जारी की गई है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... **Date:..........................**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 27.03.2025, PAGE-04

शोधार्थी शोध कार्यों में नकल करेंगे, तो पकड़ में आएंगे

- विवि के मनोविज्ञान विभाग में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बिहार विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में प्रो सोहन राज लक्ष्मी देवी तातेर जैन चेयर, जोधपुर के सहयोग से प्लेगरिज्म-फ्रोम सिंपल चेक्स टू एआइ पावर टूल्स पर राष्ट्रीय सेमिनार हुआ. सेमिनार के दूसरे सत्र में प्रो धनंजय कुमार ने साहित्यिक चोरी को पकड़ने अथवा ज्ञात करने के लिए विभिन्न एआइ टूल्स की चर्चा की. इसकी संख्या सात सौ बतायी. कहा कि सभी एआइ टूल्स हमें रिसर्च कार्य में क्या सकारात्मक और क्या नकारात्मक हैं, इसकी जानकारी देते हैं. एआइ टूल्स रिसर्च कार्य की गति, आंकड़ा विश्लेषण व प्रबंधन में मुख्य भूमिका निभाते हैं. विभागाध्यक्ष ने कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सेमिनार के सफल आयोजन के प्रति शुभकामना दी. समारोह में मुख्य अतिथि सह अध्यक्ष प्रोफेसर रत्नेश्वर मिश्रा ने नैतिक समर्पण संग रिसर्च स्कॉलर व छात्रों को रिसर्च कार्यों पर फोकस करने बल दिया. एलएस कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ विजय कुमार ने एमओयू के अनुरूप राष्ट्रीय स्तर का व्याख्यान आयोजित करने पर विभागाध्यक्ष का आभार प्रकट किया. विषय प्रवेश प्रो आभारानी सिन्हा ने किया. संचालन डॉ विकास ने किया. डॉ सुनीता ने प्रो सोहन राज लक्ष्मी देवी तातेर जैन चेयर का परिचय जाना. डॉ तूलिका सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया. मौके पर सामाजिक विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो संगीता रानी, गृहविज्ञान अध्यक्ष प्रो कुमारी, प्रो अलका जायसवाल, विदिशा मिश्रा, डॉ पयोली, डॉ रेखा श्रीवास्तव, शिल्पी, शिवानी, रौशनी, कृष्णा, आनंद, सौरभ, गुंजा, चांदनी सहित अन्य मौजूद रहे.

बिहार विवि के सेमिनार का उद्घाटन करते मुख्य वक्ता व अन्य प्रोफेसर.

नैतिक मूल्यों का भी होता है क्षरण : प्रो अनुभूति

मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो अनुभूति दूबे ने कहा कि आजकल आर्टिकल पब्लिकेशन व पीएचडी में शोधार्थी पूर्व के शोधकार्यों की नकल करते हैं तो सॉफ्टवेयर की पकड़ में आ जाते हैं. यह कार्य एक तो ज्ञान की वृद्धि में सहायक नहीं होता और दूसरा इससे नैतिक मूल्यों का क्षरण भी होता है. रिसर्च कार्य में एकेडमिक इंटिग्रिटी व प्रिंसिपल ऑफ जस्टिस का होना अनिवार्य है. ऐसा नहीं होने पर यूजीसी के नियमों के आलोक में सुपरवाइजर के साथ शोधार्थी को भी ब्लैक लिस्टेड किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि साहित्यिक चोरी एक नैतिक समस्या है जबकि कॉपीराइट का उल्लंघन कानूनी समस्या है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 27.03.2025, PAGE-04

अंग्रेजी के 38 सहायक प्राध्यापक विवि को मिलेंगे

मुजफ्फरपुर. बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को अंग्रेजी के 38 सहायक प्राध्यापक मिलेंगे.

बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से नव चयनित सहायक प्राध्यापकों के लिए विश्वविद्यालय आवंटित कर दिया गया है. विश्वविद्यालय को सूची प्राप्त होने के साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षकों की काउंसेलिंग के बाद उन्हें कालेजों में पदस्थापित किया जायेगा. काउंसेलिंग में शिक्षकों के शैक्षणिक समेत अन्य दस्तावेज की जांच होगी. पिछले दिनों विश्वविद्यालय को गणित, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र समेत अन्य विषयों में सहायक प्राध्यापक मिले हैं. राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के लिए अंग्रेजी विषय में चयनित सहायक प्राध्यापकों की लिस्ट जारी की गयी है.